रांची 01 दिसम्बर, 2014। सीएमपीडीआई के ''कोयला हॉल'' में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ, निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0घोष, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0 चोपड़, निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्ह एवं झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी के सलाहकार डॉ0 देवाशीष चक्रवर्ती उपस्थित थे।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए0के0 देबनाथ ने कह कि आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े राज्य व देश में एड्स बीमारी ज्यादा होती है अथवा फैलती है। परिस्थितिवश भी लोग इस बीमारी से बच नहीं पाते हैं। हमें उस तबके को अपने जीवन के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए काम करन चाहिए।

निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0घोष ने जैसे जैसे मेडिकल साइंस आगे बढ़ रह है वैसे वैसे नयी नयी बीम रियं भी जन्म ले रही हैं य उसकी खोज/पहच न की ज रही है। गरीब देश में अनुश सनप्रिय जीवन नहीं जीने के कारण भी बीमारियां जन्म लेती हैं।

निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0 चोपड़ ने कह कि एड्स के प्रति वर्तमान में जो नजरिय है उसमें बदलाव लाने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में व्यापक दायरे में रहकर काम करने की आवश्यकता है।

निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्ह ने कह कि इस बीमारी के लिए जो जागरूकता अभियान चल रह ै उसे और गति देकर इसकी रोकथाम की जा सकती है।

झारखंड एड्स कंट्रोल सोस इटी के सलाहकार डॉ0 देवाशीष चक्रवर्ती ने कह कि पूरे विश्व में 8 पब्लिक हेल्थ अभियान चलाय जा रह है उसमें से एक एड्स जागरूकता व रोकथाम अभियान भी शामिल

है। इसकी गंभीरत इसी ब त से इंगित होती है। उन्होंने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सभी से सम ज में जागरूकता लाने के लिए आग्रह किया।

सीएमपीडीआई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 ओम प्रक श ने कह कि एड्स के फेलने में मुख्य क रणों के बारे में बताया। इसके बचाव व रोकथाम में इन कारकों पर ध्यान देकर इसकी रोकथाम तथा भविष्य में इसकी तरह की बीम री की संख्य शून्य की ज सकती है।

इस अवसर पर जेसीसी सदस्य समेत सीएमपीडीआई परिवार के लोग उपस्थित थे। मंच का संचालन तथ धन्यव द ज्ञ पन वरीय प्रबंधक (क र्मिक/कल्य ण) श्रीमती सुमन रस्तोगी ने किय ।

***